CLASS :- VI

पाठ-17 माँ,कह एक कहानी

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-
(क) हंस कहाँ से गिरा?
उ० हंस ऊपर से गिरा।
(ख) घायल हंस को उठाने पर उसने क्या अनुभव किया?
उ० घायल हंस को उठाने पर उसने अनुभव किया कि पक्षी को क्षति हुई है।
(ग) आखेटक किस भावना से वहाँ आया था?
उ० आखेटक पक्षी का शिकार करने की भावना से वहाँ आया था।
(घ) राहुल ने क्या निर्णय दिया?
उ०राहुल ने निर्णय दिया-" मानने वाले से ज्यादा बचाने वाले का हक होता है।"

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-
(क) उपवन में बड़े सवेरे कौन भ्रमण करता था?
उ० उपवन में बड़े सवेरे राहुल के पिता सिद्धार्थ भ्रमण करते थे।
(ख) उपवन में कैसा वातावरण था?
उ०उपवन में सुहावना वातावरण था।
(ग) हंस किसके तीर से घायल होकर गिरा?
उ० हम सिद्धार्थ के भाई देवव्रत के तीर से घायल होकर गिरा।
(घ) आखेटक ने क्या कहा?
उ० आखेटक ने कहा ,"मैंने इस पक्षी का शिकार किया या मुझे दो।"
(ङ) अंत में हंस किसको प्राप्त हुआ?
उ० अंत में हंस सिद्धार्थ को प्राप्त हुआ।

दी गई पंक्ति की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए-
"कोई निरपराध को मारे,न्याय क्यों कर न उसे उभारे?
संदर्भ- प्रस्तुत पंक्ति हमारी पाठ्य पुस्तक 'मेधा भाग -छ:के 'माँ कह एक कहानी 'नामक पाठ से ली गई है ।इसके रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी हैं।
व्याख्या-राहुल अपने माँ से कहता है कि अगर कोई निरपराध को मारता है तो दूसरा क्यों न उस निरपराध की रक्षा करें ?अर्थात उसकी रक्षा करना आवश्यक है।

नीचे दिए गए काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए
"गाते----------ऊपर से।"
(क) कौन ,किसको कहानी सुना रहा है?
उ०राजकुमार सिद्धार्थ की पत्नी रानी यशोधरा अपने पुत्र राहुल को उसके पिता की उदारता की कहानी सुना रही है।
(ख) कौन सुमधुर स्वर में गाते थे?
उ० पक्षी सुमधुर स्वर में गाते थे।
(ग) इस कविता के रचयिता कौन है?
उ० इस कविता के रचयिता राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी हैं।

पाठ -18

बस की यात्रा

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए-
(क) बस को देखकर लेखक के मन में श्रद्धा क्यों उमड़ पड़ी?
उ० बस की वृद्धावस्था देखकर लेखक के मन में श्रद्धा उमड़ पड़ी।
(ख) सभी मित्र खिड़की से दूर क्यों खिसक गए?

उ० सभी मित्र फौरन खिड़की से दूर खिसक गए क्योंकि ऐसा लग रहा था कि इंजन हमारी सीट के नीचे ही है।
(ग) बस के चलते ही लेखक को किसकी याद आई?
उ० बस के चलते लेखक को गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन की याद आई।
(घ) बाल्टी में पेट्रोल देखकर लेखक क्या सोचने लगा?
उ०बाल्टी में पेट्रोल देख कर लेखक सोचने लगा बस कंपनी के हिस्सेदार इंजन को निकालकर गोद में रख लेंगे और उसे नली से पेट्रोल पिलाएँगे जैसे माँ बच्चे के मुँह में दूध की शीशी लगाती है।
(ङ) लेखक ने क्या उम्मीद छोड़ दी थी?
उ० लेखक ने वक्त पर पन्ना पहुँचने की उम्मीद छोड़ दी थी।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए-
(क) लिखो को ऐसा क्यों लगा कि बस को अवज्ञा आंदोलन की पूरी ट्रेनिंग मिल चुकी थी?
उ० लेखक को लगा कि बस सचमुच चल पड़ी है और हमें लगा कि यह गांधीजी के असहयोग और सविनय अवज्ञा आंदोलन के वक्त अवश्य जवान रही होगी ।उसे ट्रेनिंग मिल चुकी थी हर हिस्सा दूसरे से असहयोग कर रहा था पूरी बस सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौर से गुजर रही थी सीट का बॉडी से असहयोग चल रहा था कभी लगता सीट बॉडी को छोड़कर आगे निकल गई कभी लगता की सीट को छोड़कर बॉडी आगे निकल गई ।आठ-दस मील चलने पर सारे भेदभाव मिट गए ।यह समझ में नहीं आता था कि सीट पर हम बैठे हैं या सीट हम पर बैठी है।
(ख) प्राकृतिक दृश्य देखकर लेकर के मन में कैसे विचार उठ रहे थे?
उ०प्रकृति के दृश्य बहुत लुभावने थे। दोनों तरफ हरे -भरे पेड़ थे । जिन पर पक्षी बैठे थे। मैं हर पेड़ को अपना दुश्मन समझ रहा था ।जो भी पेड़ आता डर लगता था कि इससे बस टकराएगी ।वह निकल जाता तो दूसरे पेड़ का इंतजार करता झील देखती तो सोचता कि इसमें बस गोता लगा जाएगी।
(ग) लेखक ने पहली बार बस -कंपनी में हिस्सेदार की तरफ श्रद्धाभाव से क्यों देखा?
उ०लेखक ने पहली बार बस -कंपनी में हिस्सेदार की तरफ श्रद्धाभाव से देखा क्योंकि वे टायरों की हालत जानते हैं फिर भी जान हथेली पर लेकर इसी बस से सफर कर रहे हैं।
(घ) बस के पुलिया पर पहुँचते ही क्या हुआ?
उ० बस के पुलिया के ऊपर पहुँचते ही एक टायर फिस्स करके बैठ गया बस बहुत जोर से हिलकर थम गई अगर स्पीड में होती तो उछकर नाले में गिर जाती।
(ङ) रुकी बस की हालत देखकर लेखक को क्या लग रहा था?
उ०रुकी बस की हालत देखकर लेखक को लग रहा था कि क्षीण चांदनी में वृक्षों की छाया के नीचे वह बस बड़ी दयनीय लग रही थी लगता जैसे कोई वृदधा थक कर बैठ गई हो हमें ग्लानि हो रही थी कि बेचारी पर लदकर हम चले आ रहे हैं। अगर इसका प्राणांत हो गया तो इस बियाबान में हमें इसकी अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।

आशय स्पष्ट कीजिए-
"हर हिस्सा असहयोग कर रहा था पंक्ति में क्या व्यंग्य निहितार्थ है।"
अर्थ- बस का सभी हिस्सा हिल -डुल रहा था अर्थात बस के सभी कल-पुर्जे खराब हो चुके थे और वह जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी थी। इसी को ध्यान में रखकर लेखक ने व्यंग्य किया कि बस का हर हिस्सा असहयोग कर रहा था।

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-
हम पांच मित्रों----------बस डाकिनहै।
(क) मित्रों को यात्रा कहाँ से आरंभ करनी थी?
उ० मित्रों को यात्रा पन्ना से आरंभ करनी थी।
(ख) बस कितने बजे की थी?
उ० बस शाम चार बजे की थी।
(ग) लोगों ने क्या सलाह दी थी?
उ० लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफर नहीं करते।
(घ) सलाह देने वालों ने बस को क्या पदवी दी थी?
उ०सलाह देने वालों ने बस को डाकिनी की पदवी दी थी।

(ङ) अवतरण में आए चार क्रिया शब्द लिखिए।
उ० चलना, पहुँचना ,हाजिर होना, तय करना ।,